स्वच्छता के बाद अब जल सुरक्षा में भी मिसाल बन रहा है इंदौर

गंदे पानी से हरियाली तक इंदौर के ट्रीटेड वाटर मॉडल की सफलता

शैलेन्द्र कश्यप

इंदौर. इंदौर अब केवल देश के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में ही नहीं, बल्कि जल प्रबंधन के क्षेत्र में भी नई पहचान बना रहा है. यह कहानी किसी नए बांध या नदी की नहीं, बल्कि उस पानी की है जिसे कभी बेकार समझकर नालों में बहा दिया जाता था. शहर के कबिटखेड़ी सहित विभिन्न एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) में प्रतिदिन हजारों लीटर गंदा पानी पहुंचता है, जो आधुनिक उपचार प्रक्रिया से गुजरकर दोबारा उपयोग योग्य बन जाता है. इंदौर का 450 एमएलडी के लगभग क्षमता वाला संयंत्र एसबीआर आधारित प्रमुख सीवेज उपचार संयंत्रों में शामिल है. लेकिन इसकी असली सफलता मशीनों में नहीं, बल्कि सोच में छिपी है. जहां देश के अनेक शहर हर साल नए जल स्त्रोतों की तलाश में जुटे रहते हैं, वहीं इंदौर धीरे-धीरे 'पानी पैदा करने वाला शहर' बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है. नगर निगम निर्माण कार्यों, उद्यानों, हरित पट्टियों और अन्य गैर-पेयजल उपयोगों में उपचारित जल के इस्तेमाल को बढ़ावा दे रहा है, ताकि नर्मदा पर निर्भरता कम हो सके.

163 गार्डन ट्रीटेड वाटर नेटवर्क से जुड़े

नगर निगम के अपर आयुक्त आशीष पाठक के अनुसार, शहर के 163 गार्डन ट्रीटेड वाटर नेटवर्क से जुड़े हैं. वर्तमान में 95 किलोमीटर लंबी अलग पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है, जो सिरपुर क्षेत्र की 7 किलोमीटर लाइन जुड़ने के बाद 102 किलोमीटर तक पहुंच जाएगी. वितरण के लिए 2 टंकियां, 5 सम्प और 43 हाइड्रेंट विकसित किए गए हैं, जिनके माध्यम से उद्यानों, रोटरी और डिवाइडरों पर लगे पौधों एवं पेड़ों को नियमित पानी उपलब्ध कराया जा रहा है. इंदौर में प्रतिदिन लगभग 400 एमएलडी के लगभग जलापूर्ति होती है, जिसमें से करीब 350 एमएलडी के लगभग पानी उपचारित होकर पुन: उपयोग के लिए उपलब्ध हो रहा है. यह उपलब्धि जल संरक्षण की दिशा में शहर की बड़ी छलांग मानी जा रही है. जिन क्षेत्रों तक पाइपलाइन नहीं पहुंची है, वहां लगभग 35 टैंकरों के माध्यम से ट्रीटेड वाटर पहुंचाया जा रहा है. इनसे गार्डनों, डिवाइडरों और अन्य हरित क्षेत्रों की सिंचाई की जाती है. रेवती रेंज की लाइन शुरू होने के बाद हाइड्रेंट की संख्या और बढ़ाई जाएगी. नगर निगम का अगला लक्ष्य बेंगलुरु मॉडल की तर्ज पर उपचारित जल को और उन्नत स्तर तक शुद्ध कर उसका व्यापक उपयोग सुनिश्चित करना है.

दूरदर्शी और सराहनीय पहल

पर्यावरणविद् डॉ. दिलीप वागेला के अनुसार, एसटीपी से उपचारित जल का बगीचों, पेड़-पौधों की सिंचाई, फ्लोर वाशिंग और निर्माण कार्यों में उपयोग जल संरक्षण की दिशा में एक दूरदर्शी और सराहनीय पहल है. इससे पेयजल स्त्रोतों पर दबाव कम होता है और स्वच्छ जल का उपयोग अधिक आवश्यक कार्यों के लिए किया जा सकता है. उपचारित जल का पुन: उपयोग सर्कुलर वॉटर मैनेजमेंट का उत्कृष्ट उदाहरण है, जो पर्यावरण संरक्षण, भूजल संवर्धन और सतत शहरी विकास को बढ़ावा देता है. कबिटखेड़ी और अन्य एसटीपी केवल सीवेज साफ नहीं कर रहे, बल्कि यह धारणा भी बदल रहे हैं कि गंदा पानी हमेशा बेकार होता है. संभव है कि आने वाले वर्षों में इंदौर की पहचान केवल देश के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में नहीं, बल्कि ऐसे शहर के रूप में भी हो जिसने अपने नालों को 'जल बैंक' में बदल दिया.

भविष्य में उपयोगिता और मांग बढ़ेगी : महापौर

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा है कि ट्रीटेड वॉटर (शोधित जल) का व्यापक और सही उपयोग किया जाए तो यह एक जन आंदोलन का रूप ले सकता है. उन्होंने कहा कि इंदौर की बढ़ती आबादी को देखते हुए नर्मदा से मिलने वाला लगभग 450 एमएलडी पानी भविष्य की जरूरतों के लिए सीमित हो सकता है. उन्होंने सुझाव दिया कि पीने के पानी के अलावा मकान निर्माण, बगीचों की सिंचाई और वाहनों की धुलाई जैसे कार्यों में ट्रीटेड वॉटर का उपयोग बढ़ाया जाए, जिससे पेयजल की बचत हो और जल प्रबंधन अधिक टिकाऊ बने. महापौर ने कहा कि भविष्य में ट्रीटेड वॉटर की उपयोगिता और मांग दोनों बढ़ेंगी, इसलिए बड़े निर्माण कार्यों, सर्विस सेंटरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में इसका अनिवार्य उपयोग होना चाहिए. उन्होंने कहा कि यदि नागरिक और संस्थान मिलकर इसे अपनाते हैं तो यह जल संरक्षण की दिशा में एक मजबूत और सकारात्मक जन आंदोलन बन सकता है.

कोई भी नागरिक प्राप्त कर सकता है शोधित जल

इंदौर नगर निगम के पार्षद एवं एमआईसी सदस्य बबलू शर्मा ने बताया कि 311 ऐप के माध्यम से कोई भी नागरिक भवन निर्माण सहित विभिन्न कार्यों के लिए शोधित जल प्राप्त कर सकता है. इसके लिए नगर निगम लगभग 7 रुपये प्रति टैंकर की दर से शुल्क लेता है. उन्होंने बताया कि नगर निगम शहर के विभिन्न क्षेत्रों में ओवरहेड टैंक स्थापित करने की योजना पर कार्य कर रहा है, जिससे आसपास के उद्यानों और हरित क्षेत्रों को नियमित पानी मिल सकेगा. आवश्यकता पड़ने पर नागरिक भी इन केंद्रों से टैंकर के माध्यम से पानी प्राप्त कर सकेंगे.

पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा

विशेषज्ञों का मानना है कि इससे भविष्य में इंदौर की जल आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा पुनर्चक्रित जल से पूरा किया जा सकेगा. विशेषज्ञ के अनुसार भूजल के अत्यधिक दोहन को लेकर चिंता भी बनी हुई है. नियमों के अनुसार 10 हजार लीटर प्रति दिन से अधिक पानी निकालने पर प्रतिबंध है, लेकिन कई स्थानों पर बड़े बोरवेलों से स्वच्छ भूजल निर्माण कार्यों में उपयोग किया जा रहा है. विशेषज्ञ इसे भविष्य के जल संकट के लिए गंभीर संकेत मानते हैं. विडंबना यह है कि नगर निगम कम दर पर ट्रीटेड वाटर उपलब्ध करा रहा है, फिर भी टैंकरों और वितरण व्यवस्था की सीमाओं के कारण इसका पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा. पर्याप्त संसाधन उपलब्ध होने पर निर्माण कार्यों और अन्य गैर-पेयजल उपयोगों में इसका दायरा और बढ़ाया जा सकता है.

एक नजर में

जैपुरिया इंदौर का 14वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न

इंदौर. जैपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इंदौर में 14वें वार्षिक दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन किया गया. यह समारोह विद्यार्थियों और शोधार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों, समर्पण और उत्कृष्टता का उत्सव रहा, इस अवसर पर पीजीडीएम बैच 2024-26 के 176 विद्यार्थियों तथा फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट के 2 शोधार्थियों को उनकी उपाधियां प्रदान की गई. समारोह के मुख्य अतिथि पीडब्ल्यूसी इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर (डेटा एवं एनालिटिक्स) शिवप्रसाद जुलुरी थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता जैपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के उपाध्यक्ष श्रीवत्स जैपुरिया ने की. श्रीवत्स जैपुरिया ने विद्यार्थियों को आजीवन सीखते रहने, नैतिक मूल्यों को अपनाने तथा जिम्मेदार नेतृत्व का परिचय देने के लिए प्रेरित किया. संस्थान के निदेशक डॉ. दीपांकर चक्रवर्ती ने वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध, उद्योग सहभागिता, नवाचार तथा छात्र उपलब्धियों पर प्रकाश डाला.

अब होगा हिसाब का प्रीमियर 18 जून को

इंदौर. अमेज़न एमएक्स प्लेयर ने आज अपनी बहुप्रतीक्षित ओरिजिनल बदले की कहानी पर आधारित ड्रामा सीरीज़ अब होगा हिसाब का ट्रेलर जारी किया। पंजाब की पृष्ठभूमि पर बनी यह सीरीज़ दो भाइयों बॉबी और बंटी मनोचा की कहानी है, जिनकी ज़िंदगी एक अहम घटना के बाद हमेशा के लिए बदल जाती है. प्रीमियर 18 जून को होगा और इसे केवल अमेज़न एमएक्स प्लेयर पर मुफ्त में स्ट्रीम किया जा सकेगा. अमेज़न एमएक्स प्लेयर के डायरेक्टर और कंटेंट हेड, अमोघ दुसाद ने कहा अब होगा हिसाब भाईचारे, बदले और इनके बीच छिपी जटिल भावनाओं की एक बेहद रोमांचक कहानी है. संजय कपूर, शाहीर, मौनी रॉय, अविनाश मिश्रा और कई अन्य कलाकारों की शानदार कास्ट और बेहतरीन कहानी के साथ, यह सीरीज़ दमदार और यादगार परफॉर्मेंस देती है.

अनाधिकृत लोगों से सावधान रहें निवेशक

इंदौर. भिलाई और आस-पास के इलाकों के निवासियों और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे सोशल मीडिया और लोकल न्यूज़ प्लेटफॉर्म पर चल रही खबरों को देखते हुए सावधानी बरतें. इन खबरों में तोमन साहू नाम के एक व्यक्ति का जिक्र है, जो खुद को गलत तरीके से एंजल वन लिमिटेड से जुड़ा हुआ बताता है और कंपनी के नाम पर लोगों से पैसे मांगता है, जिसमें पक्का रिटर्न देने का वादा आदि भी करता है. एंजल वन लिमिटेड यह साफ करना चाहती है कि कंपनी ने जनवरी 2024 में तोमन साहू के साथ अपना संबंध खत्म कर दिया था, जो पहले एक ऑथराइज्ड पर्सन (एआई-अधिकृत व्यक्ति) था. संबंध खत्म होने के बावजूद, वह खुद को गलत तरीके से एंजल वन लिमिटेड से जुड़ा हुआ बताता रहा. आम लोगों को सलाह दी जाती है कि किसी भी ऐसे व्यक्ति की जानकारी की पुष्टि कर लें जो किसी वित्तीय संस्थान का प्रतिनिधि होने का दावा करता है.

नेक्सस इंदौर सेंट्रल में प्रतिभा दिखाने का मौका

इंदौर. नेक्सस इंदौर सेंट्रल इस सप्ताहांत शहर की उभरती प्रतिभाओं के लिए एक खास मंच तैयार कर रहा है. 13 जून को ओपन माइक और 14 जून को डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इन आयोजनों के जरिए मॉल आगंतुकों को मनोरंजन और रचनात्मक अभिव्यक्ति से भरपूर अनुभव मिला. ओपन माइक कार्यक्रम में स्थानीय उभरते कलाकार सिंगिंग, पोएट्री, स्टोरी टेलिंग और स्टैंड-अप कॉमेडी जैसी प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया. वहीं, डांस प्रतियोगिता इस उत्साह में और जोड़ दिया. इसमें एकल कलाकारों के साथ-साथ विभिन्न डांस समूह भी अपनी प्रस्तुतियों से मंच को जीवंत बनाया. विभिन्न नृत्य शैलियों को प्रतिनिधित्व देने वाली यह प्रतियोगिता जुनून, रचनात्मकता और बेहतरीन प्रस्तुति का उत्सव मनाएगी, जो दर्शकों को भी पूरे आयोजन में शामिल करेगी.

अपोलो टायर्स ने वीमेन इन ब्लू के संकल्प का किया सम्मान

इंदौर. भारतीय राष्ट्रीय क्रिकेट टीमों के प्रमुख प्रायोजक अपोलो टायर्स ने अपने चर्चित अभियान 'हर सफर में दम है' की प्रेरणादायक भावना को आगे बढ़ाते हुए एक नया अध्याय प्रस्तुत किया है, जो वीमेन इन ब्लू की प्रेरक यात्राओं पर प्रकाश डालता है. यह फिल्म राष्ट्रीय क्रिकेट सितारों हरमनप्रीत, स्मृति, जेमिमा, शैफाली और रेणुका के उन शांत, चुनौतीपूर्ण और कई बार अकेलेपन से भरे रास्तों को बेहद करीब से दिखाती है, जिन्हें उन्होंने वैश्विक पहचान हासिल करने से पहले तय किया. अभियान के बारे में बात करते हुए, अपोलो टायर्स के वाइस चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक नीरज कनवर ने कहा हर सफर में दम है हमेशा से मंज़िल के साथ-साथ उस तक पहुँचने की यात्रा का भी उत्सव मनाने के बारे में रहा है. इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए हमें वीमेन इन ब्लू की अनकही कहानियों को साझा करते हुए अत्यंत गर्व हो रहा है. साहस और दृढ़ विश्वास से भरी उनकी यात्राएँ पूरे देश के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं.

स्वच्छता, सुरक्षा और सुगम यातायात पर फोकस

चोइथराम मंडी में 'क्लीन मंडी अभियान'

जिला, पुलिस और मंडी प्रशासन के संयुक्त प्रयास से व्यवस्थित हो रही इंदौर मंडी

नवभारत न्यूज

इंदौर. जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और मंडी प्रशासन के संयुक्त समन्वय से देवी अहिल्याबाई फल-सब्जी मंडी चोइथराम मंडी में 'क्लीन मंडी अभियान' लगातार संचालित किया जा रहा है. अभियान का मुख्य उद्देश्य मंडी परिसर को स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाते हुए किसानों एवं व्यापारियों के हितों का संरक्षण करना है.

ओपी खेड़े ने बताया कि अभियान के तहत नगर निगम के सहयोग से मंडी में 24 घंटे सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की गई है. कचरे का नियमित और त्वरित उठाव किया जा रहा है तथा जैविक कचरे से खाद और गैस बनाने की प्रक्रिया को भी गति दी गई है, जिससे मंडी परिसर अधिक स्वच्छ और व्यवस्थित हुआ है. ओपी खेड़े के अनुसार यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए वाहनों हेतु अलग-अलग पार्किंग जोन निर्धारित किए गए हैं. नो-पार्किंग नियमों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है तथा व्यस्त समय में ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की गई है. साथ ही सवारी ई-रिक्शा, ऑटो रिक्शा और निजी कारों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है, जिससे जाम की समस्या में कमी आई है और आवागमन सुगम हुआ है.

संदिग्धों पर कानूनी कार्रवाई जारी

उन्होंने बताया कि मंडी के मुख्य मार्गों और फुटपाथों से अवैध अतिक्रमण हटाकर सड़कों को चौड़ा किया गया है. इससे किसानों, व्यापारियों और अन्य लोगों की आवाजाही पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक हो गई है. सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में उन्होंने कहा कि मंडी परिसर में पुलिस गश्त बढ़ाई गई है तथा सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है. जेबकतरों, संदिग्ध व्यक्तियों और अवैध वसूली करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई जारी है.

किसानों, व्यापारियों को लाभ

ओपी खेड़े ने बताया कि इस अभियान का सीधा लाभ किसानों और व्यापारियों को मिल रहा है. किसानों को मंडी में उपज लाने में समय की बचत हो रही है, बेहतर वातावरण मिल रहा है और उनकी फसल की सुरक्षा सुनिश्चित हो रही है. वहीं व्यापारियों को सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था माल की लोडिंग-अनलोडिंग में सुविधा तथा सुरक्षित और भयमुक्त व्यापारिक माहौल का लाभ प्राप्त हो रहा है.

एक इंच से ज्यादा प्री मानसून की बारिश

तापमान गिरा अभी तक दो इंच से ज्यादा बारिश

नव भारत न्यूज

इंदौर. रविवार सुबह शहर में प्री मानसून के एक इंच से ज्यादा बारिश हुई बारिश से उमस और तापमान गिरने से आमजन ने राहत की सांस ली. खास बात यह है कि मौसम वैज्ञानिक ने तीन दिन बाद मानसून पूर्व की बारिश होने की भविष्यवाणी की थी, जो आज सुबह बारिश होने से सही सिद्ध हो गई.

तीन दिन पहले मौसम वैज्ञानिक अजय कुमार शुक्ला ने नव भारत को बताया था कि अगले तीन दिन बाद मानसून पूर्व बारिश होगी. उनका अनुमान सही निकला और आज सुबह शहर में करीब 5.30 से 6.45 बजे तक करीब सवा घंटा रुक रुक तेज और धीमी 29.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई. इस दौरान तापमान में गिरावट आने के साथ मौसम में ठंडक घुल गई. आज शहर का अधिकतम तापमान 36.3 दर्ज किया गया और रात का पारा भी 6 डिग्री लुढ़ककर 19.6 दर्ज किया गया. एक जून से अभी तक शहर में 2 इंच से ज्यादा 55.1 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है. हालांकि यह प्री मानसून की बारिश है. प्रदेश और इंदौर में मानसून आने में एक हफ्ते का समय ओर लगेगा.

स्मृति कल्प के माध्यम से याद की गई मालती जोशी

इंदौर. पद्मश्री से सम्मानित, मालवा की मीरा के रूप में ख्यात लोकप्रिय कथाकार मालती जोशी की याद में स्मृति कल्प का आयोजन प्रीतम लाल दुआ सभागार में किया गया. इसमें देश के प्रसिद्ध साहित्यकार और रंगमंच और फ़िल्म की हस्तियों ने भाग लिया.

मालती जोशी की कहानियों और कविताओं के पाठ से सज्जित इस कार्यक्रम में लक्ष्मी शंकर बाजपेयी दिल्ली से, अतुल तिवारी मुंबई से जैसी हस्तियां शामिल हुई और उन्होंने मालती जोशी की कहानियों का पाठ किया. उन्होंने माना कि मालती जोशी अपनी सहज और पारिवारिक पृष्ठभूमि की कहानियों के लिए जानी जाती थीं और अपने समय की सर्वश्रेष्ठ कथा लेखिकाओं में से एक थीं. अभिनेता और पटकथा लेखक अतुल तिवारी ने कहा मालती जोशी ने महिला कथाकारों के लिए श्रेष्ठतम मानदंड स्थापित किए. लक्ष्मी शंकर बाजपेयी का मानना था कि मालती जी की कहानियों को युवाओ के बीच प्रस्तुत किया जाना चाहिये ताकि वे भारतीय परिवार परंपरा का महत्व समझ सकें. मोटिवेशनल स्पीकर मंजूषा राजस जौहरी ने कहा कि मालती जोशी की कहानियाँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रसार के लिए पढ़ाया जाना चाहिए. कथाकार अनीता सक्सेना मालती जोशी जी के काव्य पक्ष पर चर्चा की. कवियत्री ज्योति जैन ने मालती जी के साथ अपने अंतरंग प्रसंगों को साझा किया.मुंबई से आई शिक्षाविद् मधुरा फड़के ने मालती जोशी की संवेदनशीलता और आत्मीयता पर अपना वक्तव्य दिया. ब्रॉडकास्टर रंजना चितले ने मालती जोशी के जीवन के प्रति दृष्टिकोण का विवेचन किया. मालती जोशी के बड़े पुत्र ऋषिकेश जोशी ने स्वागत वक्तव्य दिया .क ार्यक्रम का समापन मालती जी के छोटे पुत्र सच्चिदानंद जोशी के वक्तव्य से हुआ. संचालन रिया जोशी ने किया. कार्यक्रम मेंसूर्यकांत नागर, कलापिनी कोमकली, कल्पना झोकरकर , संतोष मोहंती आदि शामिल हैं, उपस्थित रहे.